लाखों की लाइट व्यवस्था बनी दिखावा

खास बातें

- विश्वविख्यात सांची अंधेरे में डूबी
- नगर परिषद के अनुरोध पर एनएच और बिजली अधिकारी भी नहीं लेते संज्ञान

नवभारत न्यूज

सांची 28 फरवरी, ढाई हजार वर्ष पुरानी बौद्ध विरासत को संजोए विश्वप्रसिद्ध नगर सांची आज मूलभूत रोशनी जैसी आवश्यक सुविधा के लिए संघर्ष कर रहा है.सांची स्तूप की ख्याति देश-विदेश में है, लेकिन विडंबना यह है कि यही नगर रात होते ही अंधेरे की गिरफ्त में समा जाता है.इससे न केवल स्थानीय नागरिकों बल्कि देशी-विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न लग रहा है.

राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर लाखों रुपये की लागत से स्थापित की गई स्ट्रीट लाइट व्यवस्था अब बदहाल नजर आ रही है. कई स्थानों पर तार टूटे पड़े हैं, पोल टेढ़े-मेढ़े खड़े हैं और रोशनी के स्थान पर घुप्प अंधेरा पसरा रहता है. स्थिति यह है कि वीआईपी आगमन की सूचना मिलते ही आनन-फानन में व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाती है, लेकिन सामान्य दिनों में पूरी व्यवस्था ठप्प दिखाई देती है.

बिजली आपूर्ति भी अनियमित

नगर में विद्युत आपूर्ति का ढर्रा भी अनिश्चित बना हुआ है. बिजली कब आए और कब चली जाए, इसका कोई निश्चित समय नहीं.उपभोक्ताओं में रोष बढ़ रहा है, जबकि विभागीय प्राथमिकताएं व्यवस्था सुधार से अधिक अन्य प्रक्रियाओं पर केंद्रित दिखाई देती हैं.विश्व मंच पर पहचान रखने वाली सांची को अंधेरे से मुक्त करना अब केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नगर की प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है.

नगर परिषद अध्यक्ष ने जताई नाराजगी

नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर परिषद की ओर से कई बार एनएच के अधिकारियों तथा विद्युत मंडल के जिम्मेदार अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से बिजली व्यवस्था सुचारू कराने का अनुरोध किया गया है, लेकिन अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई.उन्होंने कहा कि अंधेरे के कारण नगरवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और पर्यटन नगरी की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो उच्च स्तर पर मामला उठाया जाएगा.

वोकल फॉर लोकल की भावना को भी कर रहे साकार

15 स्वसहायता समूहों के 40 उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री

होली उत्सव में आजीविका मेले का आयोजन

नवभारत न्यूज

सिरोंज 28 फरवरी, कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अभिनव पहल पर सिरोंज में होली उत्सव के अवसर पर आजीविका मेले का आयोजन किया जा रहा है. यह मेला 2 मार्च तक आयोजित किया जावेगा. जिसमें क्षेत्र के 15 स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार किये गये करीब 40 विविध घरेलू एवं पारंपरिक उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जा रही है. इस मेले का शुभारंभ शुक्रवार को जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव द्वारा किया गया.

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लॉक समन्वयक सत्येंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि इन मेलों का उद्देश्य ग्रामीण स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना है. यह मेला 2 मार्च तक आयोजित किया जावेगा. जिसके तहत सिरोंज में स्थानीय नगर पालिका कार्यालय के समीप काला बाजार क्षेत्र में 15 स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए गए करीब 40 विविध घरेलू एवं पारंपरिक उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जा रही है. इनमें देसी शुद्ध घी, अचार, पापड़, गोबर के उपले, भुजिया, पापड़ी, नमकीन, हर्बल गुलाल व रंग, पिचकारी, धनिया-मिर्च पाउडर, शुद्ध मावा सहित अन्य घरेलू उपयोग की सामग्री शामिल है. सभी उत्पाद उचित एवं किफायती दामों पर उपलब्ध कराये जा रहे हैं. आजीविका मेले न केवल त्यौहार की रौनक बढ़ा रहा हैं. बल्कि वोकल फॉर लोकल की भावना को भी साकार कर रहा हैं. उन्होंने नागरिकों से अपील की गई है कि वह होली पर्व की खरीदारी के लिए स्थानीय स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता दें और ग्रामीण महिलाओं की आजीविका सशक्त करने में सहभागिता निभाएं.

ग्रीष्म ऋतु को लेकर हुई समीक्षा बैठक

नवभारत न्यूज

कुरवाई, ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए विद्युत विभाग, पीएचई विभाग एवं जल निगम क्यों स्थानीय कर्मचारियों के साथ आजीविका भवन में विधायक हरि सिंह सप्रे की मौजूदगी में समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ.बैठक में एसडीएम मनीष जैन, जनपद अध्यक्ष श्रीमती ममता महाराज सिंह दांगी, जनपद उपाध्यक्ष हरनेश यादव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रानी रामप्रसाद अहिरवार, सीईओ आयुष अग्रवाल,, डीजीएम विद्युत कम्पनी करन सिंह, कार्यपालन यंत्री पीएचई अनुपम गगोई एवं डीपीटी मैनेजर, जल निगम दीपक प्रजापति , के समक्ष जन प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं पर खुली चर्चा की, बैठक में क्षेत्र के सरपंच एवं जनपद सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए.विधायक हरि सिंह सप्रे ने कहा कि पंचमी के बाद वे स्वयं गांव-गांव जाकर सर्वे करेंगे तथा हर एक-दो माह में इस प्रकार की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि गर्मी या सूखे के समय क्षेत्रवासियों को पेयजल एवं बिजली की किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े. बैठक के दौरान सरपंचों एवं जनपद सदस्यों ने अपने-अपने ग्रामों में पेयजल संकट, विद्युत आपूर्ति में बाधा, ट्रांसफार्मर की समस्या एवं जल जीवन मिशन से जुड़े कार्यों की कमियों को अधिकारियों के सामने रखा.इस पर विधायक हरि सिंह सप्रे ने निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का शीघ्र एवं स्थायी समाधान किया जाये.

मसूदपुर में 158 वृद्धजनों को मिला समग्र स्वास्थ्य का संबल

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक सराहनीय और मानवीय पहल करते हुएआयुष्मान आरोग्य मंदिर मसूदपुर द्वारा वृद्धजनों के लिए एक भव्य होलिस्टिक वेल बीइंग कैंप का सफल आयोजन किया गया. यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवा का माध्यम बना, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और संवेदना का प्रतीक भी साबित हुआ.

शिविर की नोडल अधिकारी डॉ दर्शना रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 158 वृद्ध लाभार्थियों ने शिविर में भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषज्ञ परामर्श एवं नि:शुल्क दवा वितरण का लाभ प्राप्त किया.शिविर में चिकित्सकों ने वृद्धावस्था में होने वाली सामान्य एवं जटिल बीमारियों पर विस्तृत परामर्श दिया। साथ ही जोड़ों का दर्द, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्थि दुर्बलता, पाचन संबंधी समस्याएं और सामान्य कमजोरी जैसी समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक दवाएं पूर्णत: निशुल्क वितरित की गईं. इस शिविर का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित जांच कराने और समय पर

उपचार लेने के प्रति जागरूक करना था. ग्रामीण क्षेत्र में समग्र स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना इस आयोजन का प्रमुख ध्येय रहा.शिविर में ग्रामीणों का उत्साह देखने योग्य रहा.बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने पंजीकरण कर लाभ उठाया और आयोजकों के इस प्रयास की सराहना की.यह आयोजन समाज में सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है. ऐसे प्रयास न केवल स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि सामाजिक एकता और विश्वास को भी मजबूत बनाते हैं.मसूदपुर में आयोजित यह शिविर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ.

कलेक्टर की पहल पर होली आजीविका मेले शुरू

नवभारत न्यूज

विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता की पहल पर जिले के विभिन्न विकासखंडों में होली उत्सव के अवसर पर आजीविका मेलों की शुरुआत की गई है. यह मेले ग्यारसपुर, सिरोंज और विदिशा विकासखंड में 2 मार्च तक आयोजित होंगे.मेलों में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार बासमती चावल, शुद्ध घी, पापड़, अचार, नमकीन, हर्बल गुलाल, रंग-पिचकारी सहित अन्य घरेलू उत्पादों की प्रदर्शनी व बिक्री की जा रही है. प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे होली की खरीदारी में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दे.

कंट्रोल रूम से कंट्रोल करेंगे जल सकंट

नवभारत न्यूज

विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा जिले में ग्रीष्मकालीन पेयजल आपूर्ति के प्रबंधनों के संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अनुपम गोहई ने ज़िले में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति हेतु गर्मी में संभावित पेयजल संकट एवं हैंडपंप खराबी की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तर पर एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है. आमजन अपनी पेयजल संबंधी शिकायतें कंट्रोल रूम के दूरभाष पर 07592-250663 पर दर्ज करा सकते हैं. जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के प्रभारी श्री अमित श्रीवास्तव 7999775044 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड विदिशा रहेंगे. तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक निम्न कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई हैऋषभ ठाकुर प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मोबा. 7697383908 महेंद्र विश्वकर्मा दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक मोबा. 9981026161, शासकीय अवकाश के दिनों में कंट्रोल रूम का समय प्रात 10 बजे से सायं 6 बजे तक रहेगा.

आदर्श महाविद्यालय में हुआ विज्ञान दिवस का आयोजन

नवभारत न्यूज

विदिशा, आदर्श महाविद्यालय में विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ब्रह्मदीप आलूने के स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ. आयोजन में विशेष वक्ता के रूप में शाषांक शर्मा पंडित दीनदयाल उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय बेगमगंज से गूगल मीट के माध्यम से जुड़े. जिन्होंने एक महत्वपूर्ण विषय इपिक इंडियनन साइंटिफिक रीवेल्यूशन इन मॉर्डन फेस पर अपना व्याख्यान दिया. जिससे महाविद्यालय की विद्यार्थी एवं समस्त स्टाफ लाभान्वित हुआ.विज्ञान दिवस पर विज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया

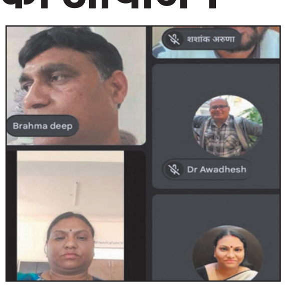

गया. जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की.कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान विभाग की ओर से किया गया.डॉ अनिता शाक्य ने मुख्य वक्ता का स्वागत एवं डॉ सुषमा सिसोदिया ने आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का संचालान डॉ शिखा दुबे ने किया और तकनीकी सहायता के लिए श्रीमती शैली जैन ने की.

जय स्तंभ चौक से पुराने बस स्टैंड की पुलिया तक हटेंगी दुकानें

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, विधायक हरि सिंह रघुवंशी तथा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष ने जय स्तंभ चौक से पुराने बस स्टैंड गटर पुलिया तक जो अतिक्रमण है. उन सभी दुकानदारों को हटाया जाएगा.विधायक तथा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष ने कहा सभी उन दुकानदारों को पुराने बस स्टैंड पर दुकानें बनाकर दी जावेगी.सड़क को चौड़ा किया जा रहा है इसके लिए सभी अतिक्रमण हटाए जाएंगे सभी दुकानदारों से चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया.इस अवसर पर व्यापारी अतिक्रमणकारी मौजूद थे सभी की सहमति के बाद यह निर्णय लिया गया.

स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की मची धूम

नवभारत न्यूज

कुरवाई, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जनपद पंचायत कुरवाई के तत्वावधान में होली के रंग आजीविका के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विधायक हरिसिंह सप्रे, विधायक प्रतिनिधि सीताराम सैनी और विधानसभा संयोजक विनोद जैन ने फीता काटकर आजीविका होली उत्सव मेले का औपचारिक उद्घाटन किया.कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम मनीष जैन और जनपद पंचायत कुरवाई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुष अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ.ब्लॉक प्रबंधक रीना परमार ने सभी अतिथियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और मिशन की गतिविधियों से अवगत

कराया।विधायक और अन्य अतिथियों ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण किया. उन्होंने विशेष रूप से स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल, पारंपरिक व्यंजन (पापड़, गुजिया, मठरी, शुद्ध घी, अचार और मिठाइयाँ अतिथियों ने ग्रामीण महिलाओं (दीदियों) के कौशल की सराहना की. मेले में ब्लॉक स्तर के 35 स्व-सहायता समूहों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया है. मेला 2 मार्च तक चलेगा प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक. कार्यक्रम को सफल बनाने में मिशन के सहायक विकास प्रबंधक प्रदीप झा, प्रेमनारायण अहिरवार, संदीप अहिरवार, सौरभ कुशवाहा और द्वारका प्रसाद सक्सेना ने सक्रिय भूमिका निभाई और व्यवस्थाओं का संचालन किया.

शिवसेना संभागीय कार्यालय का उद्घाटन

नवभारत न्यूज

सांची, क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान का दावा भोपाल-विदिशा-सांची मार्ग स्थित त्रिमूर्ति चौराहा सलामतपुर में शिवसेना के नए संभागीय कार्यालय का उद्घाटन किया गया.मुख्य अतिथि प्रदेश प्रमुख थानेश्वर महाराज एवं उपराज्य प्रमुख राजीव चतुर्वेदी की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ.जिला अध्यक्ष सूरजमल जैन 'मोनू भैया' ने फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया. इस अवसर पर प्रदेश सचिव गजेंद्र सिंह कुशवाहा, ग्रामीण जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा सहित बड़ी संख्या में शिवसेना पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

शहीद क्रांतिकारियों को याद किया

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, शहर वाचनालय पाठक संघ के तत्वाधान में चंद्रशेखर आजाद एवं विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि मनाई गई.कार्यक्रम का संचालन पाठक संघ की संयोजक दीपक तिवारी द्वारा किया गया. वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जन्म भाबरा गांव जिला अलीराजपुर मध्य प्रदेश में हुआ था.उनका बचपन का नाम चंद्रशेखर तिवारी था.

बचपन से ही वे सहसी और देशभक्त स्वभाव के थे सन 1931 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया तब आजाद भी इसमें शामिल हुए और गिरफ्तारी के समय जब जज ने उनका नाम पूछा तो उन्होंने कहा कि नाम - आजाद,पिता का नाम- स्वतंत्रता पता-जेलखाना तभी से वे चंद्रशेखर आजाद कहलाने लगे उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु जैसे क्रांतिकारियों के साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और 27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में अंग्रेज पुलिस ने उन्हें घेर लिया तो उन्होंने अंत तक बहादुरी से मुकाबला किया और अंत में अपनी आखिरी गोली खुद को मार ली ताकि अंग्रेजों ने जीवित न पकड़ सके उन्होंने प्रण लिया था दुश्मन की गोलियों का सामना करेंगे आजाद ही रहे हैं और आजाद ही रहेंगे वहीं विनायक दामोदर वीर सावरकर का जन्म 28 में 1883 में भगोर जिला नासिक महाराष्ट्र में हुआ था वीर सावरकर जी मे बचपन से ही देशभक्त और नेतृत्व के गुण दिखाई देते थे उन्होंने पुणे कॉलेज में अपनी शिक्षा प्राप्त की और आगे की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गई और वहां इंडिया हाउस से जुड़े हुए वे महान लेखक राजनेता कवि और क्रांतिकारी देशभक्त थे तथा हिंदू महासभा के अध्यक्ष भी रहे उन्होंने 1910 में अंग्रेज पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

रिछारिया बने महामंत्री, प्रवक्ता बने नामदेव

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ की कार्यकारिणी घोषित

नवभारत न्यूज

पठारी, आजाद अध्यापक शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष सुनील रघुवंशी ने विज्ञप्ति जारी कर के बताया कि आजाद अध्यापक शिक्षक संघ संभाग भोपाल की कार्यकारिणी घोषित की गई.जिसमें संभाग अध्यक्ष दर्शन सिंह ओड ने प्रदेश अध्यक्ष भरत पटेल के निर्देश पर कार्यकारिणी घोषित की.

जिसमें पठारी निवासी रविकांत रिछारिया को संभागीय महासचिव और मनोज नामदेव को संभागीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया है. जिनके साथ संभाग उपाध्यक्ष अरुण रघुवंशी, विमल यादव, महेश कोली, सचिव प्रताप लोधी, रघुवीर सिंह दांगी, संगठन मंत्री गोपाल श्रीवास्तव, देवेंद्र सैनी, कल्पना भावसार, मीडिया प्रभारी रामकृष्ण यादव, सह सचिव रामकृष्ण प्रजापति और रामबाबू विश्वकर्मा को सह प्रवक्ता का दायित्व सौंपा है.

110 करोड़ की सड़कों को मिली मंजूरी

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिला पंचायत की सामान्य सभा की विशेष बैठक आयोजित की गई. बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों के सड़क निर्माण कार्यों का महत्वपूर्ण अनुमोदन किया गया.

एमपीआरआरडीए द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जनरेट की गई प्राथमिकता सूची के आधार पर जिले के सिरोंज, लटेरी, कुरवाई और नटेरन विकासखंडों में कुल 190 किलोमीटर लंबाई की सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया.इन कार्यों की अनुमानित लागत लगभग 110 करोड़ रुपये है.जिला पंचायत की सामान्य सभा ने जिले के विकास को गति देने के उद्देश्य से इन सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है.इन सड़कों के बनने से 124 से अधिक बसाहटों का सीधा लाभ मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा.

त्योंदा में हुई शांति समिति की बैठक

नवभारत न्यूज

त्योंदा, थाना त्योंदा में आज शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. जिसमें ग्रामीणों से चर्चा की गई कि सभी व्यवस्थाएं सही रखी जाएं. बैठक में सरपंच प्रतिनिधि राम अहिरवार, त्योंदा रसूलपुर सरपंच रामहरि शर्मा, आजाद खान, सुरेश दुबे, गोलू श्रीवास्तव और अन्य क्षेत्र से गणेश राम पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए.बैठक में ग्रामीणों ने अपने विचार व्यक्त किए और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुझाव दिए. सरपंच प्रतिनिधि श्री राम अहिरवार ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए मिलकर काम करना होगा.त्योंदा रसूलपुर सरपंच रामहरि शर्मा ने कहा कि शांति समिति की बैठक का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना है. उन्होंने कहा कि अगर किसी को कोई समस्या है, तो वह बिना हिचकिचाहट समिति के सामने रख सकता है.आजाद खान ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और ग्रामीणों को मिलकर काम करना होगा.सुरेश दुबे ने कहा कि शांति समिति की बैठक से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिलता है.गणेश राम पटेल ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को जागरूक करना होगा. बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने विचार व्यक्त किए और मिलकर काम करने का आश्वासन दिया.

गुलाबगंज में भी हुई शांति समिति की बैठक

थाना परिसर में रंगपचमी रमजान त्योहार के कारण आज शांति समिति की बैठक संपन्न हुई.थाना प्रभारी वाहर होने के कारण प्रभारी सुरेन्द्र सिंह के द्धवारा नागरिकों से कहा गया की सभी त्योहार शांति पूर्वक समरसता के साथ मनाएं कानून अपने हाथ में नहीं लें कोई भी समस्या हो तो थाने में सूचना दें इस अवसर पर नागरिकों द्धवारा समवेत स्वर में नगर में डीजे की तेज आवाज का मुद्दा छाया रहा. नागरिकों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट तथा जिला प्रशासन ने भी इस बारे में स्पष्ट निर्देश आवाज की सीमा के लिए दिये गये हैं.लेकिन गुलाबगंज में इसका कोई प्रभाव नहीं दिखता नागरिकों का कहना है कि डीजे की तेज आवाज से गर्भवती महिलाओं हृदय रोगियों एवं बुजुर्ग को काफी परेशानी होती है कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक सहित सभी लोग उपस्थित रहे सभी ने कहा नगर में समरसता का माहौल सदैव रहा है यहां सभी त्योहार आपसी प्रेम स्नेह से मनाए जाते हैं.

आयोजन | **नवदिवसीय भरत-चरित्र कथा का भावपूर्ण समापन, उदासीन संतत्व और निष्काम भक्ति का संदेश**

वन में रहना वनवास नहीं, प्रभु से दूर होना वनवास-राम मनोहर दास महाराज

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, संसार में त्याग की पराकाष्ठा यदि किसी ने जीकर दिखाई है, तो वह श्री भरत जी हैं. उन्होंने वनवास पाया नहीं, फिर भी वनवासी जीवन जिया.राजमुकुट सिर पर आ सकता था, पर उन्होंने चरण-पादुका को सिंहासन पर प्रतिष्ठित कर स्वयं को सेवक बना लिया. भरत जी त्याग की मूर्ति थे. उन्होंने अयोध्या के राजमहल में नहीं, बल्कि नंदीग्राम में कुटिया बनाकर जीवन बिताया. राजसी वस्त्र त्याग दिए, मृगचर्म धारण किया, जटा बढ़ाई और कठोर तप किया. चौदह वर्षों तक वे भूमि पर सोए, फलाहार किया और प्रभु के लौटने की प्रतीक्षा करते रहे. यह 'बिना वनवास के वनवास' था, ऐसा वनवास जिसमें शरीर अयोध्या में था, पर आत्मा चित्रकूट में प्रभु चरणों में। भरत जी के त्याग के यह भाव भगवान सीताराम जी की प्राण प्रतिष्ठा एवं पंच कुंडीय श्री राम महायज्ञ के उपलक्ष्य में चित्रकूट के सनकादिक आश्रम में आयोजित हुई नौ दिवसीय भरत-चरित्र प्रवचन का शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और भाव-विभोर वातावरण के समापन अवसर पर नगर के नौलखी खालसा श्री महंत राम मनोहर दास जी महाराज ने कथा भरत चरित्र की कथा के दौरान व्यक्त किए.बिलासपुर का व्यास पीठ का पूजन कथा की यजमान नागेंद्र उपाध्याय एवं ममता उपाध्याय ने किया. प्राण प्रतिष्ठा एवं पंचकुंडीय महायज्ञ पंडित केशव शास्त्री के आचार्यात्व एवं प्रेमानंद शास्त्री भोपाल के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है जिसका समापन एक मार्च को होगा.

कथा में जनमानस में उमड़ा भरत भाव का सागर

9 दिन तक चले भरत चरित्र के भावों को लेकर समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की आंखें नम थीं. भरत-चरित्र के भावों ने श्रोताओं के हृदय में यह स्थापित किया कि त्याग और प्रेम का संगम ही धर्म का सार है. सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन हो गया किंतु भरत-भाव का प्रकाश जनमानस में दीर्घकाल तक जलता रहेगा. भरत जी का प्रेम इतना विराट था कि स्वयं माता सीता और प्रभु राम भी उनके स्मरण से भाव-विभोर हो उठते थे. चित्रकूट में जब मिलन हुआ, तब संत-मुनियों सहित महर्षि भारद्वाज ऋषि ने भी भरत के त्याग की सराहना की. महाराजश्री ने कहा कि भरत जी ने केवल राज्य नहीं छोड़ा, बल्कि मन का अहंकार भी त्याग दिया. यही कारण है कि वे जगतगुरु समान आदरणीय बने. त्याग की पराकाष्ठा यह थी कि उन्होंने पादुकाओं को सिंहासन पर रखकर स्वयं को प्रतिनिधि मात्र माना. वे शासन नहीं, सेवा करते रहे.कथा के अंतिम दिवस व्यास पीठ से यह संदेश दिया गया कि भरत-भाव अपनाने का अर्थ कर्तव्य निभाते हुए भी मन को प्रभु में स्थिर रखना.त्याग का अर्थ पलायन नहीं, बल्कि अधिकार छोड़कर दायित्व निभाना है. भरत जी ने सिद्ध कर दिया कि प्रेम में अधिकार नहीं, समर्पण होता है.वन में रहना वनवास नहीं, प्रभु से दूर होना वनवास है.

कथावाचक ने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि संसार में त्याग दो प्रकार का होता है एक, परिस्थितियों से विवश होकर और दूसरा प्रेम से प्रेरित होकर. भरत जी का त्याग प्रेम-प्रेरित त्याग था. वे अयोध्या लौटे तो राज्य रिक्त था, पिता नहीं रहे, प्रभु राम वन को प्रस्थान कर चुके थे.ऐसे समय वे चाहते तो राजगद्दी स्वीकार कर लेते, परंतु उन्होंने स्पष्ट कहा राज्य मेरा नहीं, यह तो प्रभु का है.श्रीमहंत जी महाराज ने महर्षि भारद्वाज ऋषि और श्री भरत लाल जी के दिव्य संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि संतत्व की सर्वोच्च अवस्था 'उदासीनता' है अर्थात चित्त और बुद्धि का पूर्णत: परमात्मा में स्थिर हो जाना. गोस्वामी तुलसीदासजी की वाणी का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि जहां ज्ञान सूर्य के समान प्रकाशित हो, वचन सिंहासन की तरह अडिग हो और आत्मा कमल के समान निर्मल वहीं सच्चा संतत्व प्रकट होता है. उन्होंने समझाया कि 'उदासीन' का अर्थ संसार से भागना नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए भी परमात्मा राम और माता सीता के स्मरण में निरंतर रत रहना है. जो मनुष्य प्रपंच से ऊपर उठकर केवल ईश्वर-चिंतन में स्थित हो, वही महात्मा कहलाता है.भरत जी की विनम्रता का उदाहरण देते हुए कहा कि वे अपनी प्रशंसा सुनकर असहज हो जाते, किंतु भीतर से प्रभु-स्मरण में और दृढ़ हो जाते थे.